SAFALTA CLASS™

An Initiative by अमर उजाला

भाषा शिक्षण के सिद्धांत

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

भाषा शिक्षण –

विद्यार्थी जीवन में भाषा शिक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण है। भाषा शिक्षण को सरल और रोचक बनाने के लिए मनोवैज्ञानिकों ने कई महत्वपूर्ण सिद्धांतों का वर्णन किया है। यह सिद्धांत विद्यार्थी के भाषा कौशल में विकास और वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

भाषा शिक्षण के सिद्धांत :-

- अनुबंध का सिद्धांत
- अनुकरण का सिद्धांत
- अभिप्रेरणा एवं रूचि का सिद्धांत
- क्रियाशीलता का सिद्धांत
- अभ्यास का सिद्धांत
- आवृति का सिद्धांत
- साहचर्य का सिद्धांत
- अनुपात एवं क्रम का सिद्धांत
- बाल-केंद्रिता का सिद्धांत
- मातृभाषा शिक्षण का सिद्धांत
- पुनर्बलन का सिद्धांत

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

अनुबंध का सिद्धांत - अनुबंध अर्थात साहचर्य बाल विकास एवं भाषा विकास में गहन योगदान प्रदान करता है। शैशयावस्था में जब बच्चा भाषा के संपर्क में आना प्रारंभ करता है तो वह किसी मूर्त वस्तु से जोड़कर शब्दों की जानकारी ग्रहण करता है।

अनुकरण का सिद्धांत - बालक सीखना जब भाषा सीखना प्रारंभ करता है तो वह अपने आसपास मौजूद परिवारजनों और साथियों द्वारा बोली जाने वाली भाषा का अनुकरण करते हैं। यही अनुकरण का सिद्धांत है। अनुकरण द्वारा सीखने की परिभाषा कई प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिकों जैसे चैपिनीज, शर्ली, कर्टी तथा वैलेंटाइन ने दी है।

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

अभिप्रेरणा एवं रूचि का सिद्धांत - किसी भी भाषा का ज्ञान प्राप्त करने के लिए अभिप्रेरणा एवं रूचि उत्प्रेरक के रूप में कार्य करता है। बिना प्रेरणा के शिक्षक विद्यार्थी को ज्ञान प्रदान नहीं कर सकता है।

क्रियाशीलता का सिद्धांत - क्रियाशीलता या सर्जनशीलता का अर्थ है किसी भी विषय का अध्ययन करते समय उसे रोचक बनाने के लिए नवीन प्रयोगों का उपयोग किया जाए।

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

अभ्यास का सिद्धांत - थॉर्नडाइक ने अभ्यास के सिद्धांत को इस प्रकार परिभाषित किया है, "भाषा एक कौशल है और इसका विकास अभ्यास पर ही निर्भर है।" कलात्मक और भावनात्मक दोनों पक्षों के लिए अभ्यास अनिवार्य है। विद्यार्थी के भाषा कौशल को निखारने के लिए अभ्यास महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

आवृति का सिद्धांत - भाषा के ज्ञान में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए जितना ज्ञान को दोहराया जाएगा उतनी अधिक सफलता हासिल होगी। कई प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिकों ने आवृत्ति के सिद्धांत पर बल दिया है। भाषा शिक्षण में पुनरावृत्ति पर भी विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

साहचर्य का सिद्धांत - किसी भी भाषा को सीखने के लिए उसका निरंतर अभ्यास और साथ ही आस पास के लोगों द्वारा उस भाषा का बोलना भी आवश्यक है। अधिक संख्या में भाषा बोलने वाले लोगों का साहचर्य मिलना बेहद आवश्यक है। बच्चा व्यक्तियों को उनसे संबंधित शब्दों से तभी संबोधित करता है जब वह उन्हें अपने सामने देखता है। उदाहरण के तौर पर जब वह माता-पिता को अपने पास देखता है तो उन्हें मम्मी-पापा कहकर संबोधित करता है।

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

अनुपात एवं क्रम का सिद्धांत - चार प्रकार के भाषा कौशल होते हैं- श्रवण, वाचन, पठन एवं लेखन। भाषा शिक्षण में यह सभी कौशल आपस में संबंधित होते हैं। सभी भाषा कौशलों का समुचित ज्ञान आवश्यक है। भाषा शिक्षण में निपुणता हासिल करने के लिए सभी कौशल समान अनुपात में होने चाहिए।

पुनर्बलन का सिद्धांत - अमेरिकी वैज्ञानिक वी. एफ. स्किनर के अनुसार, जब तक अधिगम प्रक्रिया के दौरान अधिगमकर्ता को सफलता मिलती रहती है , तब तक वह उत्साहित होकर सीखता रहता है। उनकी सफलताएं ही उनके मनोबल और विकास में वृद्धि करती हैं।

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

शिक्षण के नियम :-

- सरल से कठिन की ओर।
- ज्ञात से अज्ञात की ओर।
- मूर्त से अमूर्त की ओर।
- विशिष्ट से सामान्य की ओर।
- विश्लेषण से संश्लेषण की ओर।
- अनिश्चित से निश्चित की ओर।
- पूर्ण से अंश की ओर।

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

ज्ञात को अज्ञात की ओर – पढ़ाने से पहले अध्यापक को प्रश्न करके पता कर लेना चाहिए की बच्चों को उस पाठ के प्रति कितना ज्ञान है। पता करने से अध्यापक को कक्षा का स्तर पता चल जाता है। ज्ञात पता होने पर बच्चों को वहां तक पढाना है जो बच्चे नहीं जानते है।

विशिष्ट से सामान्य की ओर – अध्यापक को सबसे पहले पाठ का विशिष्ट रूप प्रस्तुत करना चिहिए। उसके बाद उसका सामान्य रूप प्रस्तुत करना चाहिए। क्योंकि बच्चें विशिष्ट रूप पर ज्यादा ध्यान देते है।

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

पूर्ण से अंश की ओर – अध्यापक को पहले पूरे भाग की जानकारी देनी चाहिए। बाद में उसके छोटे–2 भागों की जानकारी देनी चाहिए। उदाहरणार्थ – पहले गाडी के बारे में फिर उसके भागों के बारे में बताना।

अनिश्चितता से निश्चितता की ओर – बच्चा किसी भी नये संप्रत्य से लेकर हमेशा भ्रांति में रहता है। बच्चे की भ्रांति को ध्यान में रखकर उसको ज्ञान देना चाहिए ताकि वह उसके प्रति निश्चित हो जाए।

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

प्रश्नावली –

- भाषा शिक्षण के सूत्र/सिद्धांत ..... हैं?

Ans.शिक्षण को समृद्ध करते हैं।

- नियोजन का सिद्धांत कहलाता है कि .....?

Ans.अपनी शिक्षण प्रक्रिया का नियोजन करो।

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

- कौन सा शिक्षण सूत्र पूर्व प्राथमिक स्तर के अनुकूल नहीं है?

Ans.अमूर्त से मूर्त की ओर।

- भाषा की यात्रा नहीं होती .....?

Ans.कठिन से सरल की ओर।

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

2.भाषा शिक्षक के लिए सबसे महत्वपूर्ण यह है कि वह

A. पाठ्यपुस्तक के अभ्यास के द्वारा सही आकलन करे
B. पाठ्यपुस्तक समय सीमा के भीतर समाप्त कराये
C. पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त भाषा प्रयोग के अवसर दे
D. पाठ्यपुस्तक को ही आकलन का एकमात्र माध्यम माने

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

3.निम्न में से कौनसा शिक्षण सिद्धान्त है।

A. चयन का सिद्धान्त
B. रूचि का सिद्धान्त
C. क्रियाशीलता का सिद्धान्त
D. उपयुक्त सभी